आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 06.11.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर हल्द्वानी में आयोजित 'पूर्व सैनिक सम्मेलन' का शुभारंभ किया।
- प्रदेश के राजकीय नर्सिंग कॉलेजों को सात नई फैकल्टी मिली। नई नियुक्ति से कालेजों में शैक्षणिक गतिविधियां मजबूत होंगी।
- औद्यानिक फसलों में टपक सिंचाई पर पौड़ी में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।
- रुद्रप्रयाग जिले में स्थित तृतीय केदार भगवान श्री तुंगनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद।

<u>पूर्व सैनिक सम्मेलन</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर नैनीताल जिले के हल्द्वानी में आयोजित 'पूर्व सैनिक सम्मेलन' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सैनिक कल्याण विभाग के पुनर्गठन और सुदृढ़ीकरण की घोषणा करते हुए कहा कि विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाया जाएगा, ताकि हर सैनिक परिवार तक योजनाओं का लाभ सहज रूप से पहुँच सके। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी, अल्मोड़ा और पौड़ी में जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों व आवासीय भवनों के पुनर्निर्माण का कार्य किया जाएगा, जिससे पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में सैनिकों के 150 बच्चों के लिए एक आधुनिक छात्रावास का निर्माण किया जाएगा, जिससे सैनिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित आवासीय सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

फैकल्टी तैनाती

राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से चयनित सात फैकल्टी को विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों में प्रथम तैनाती दे दी गई है। इनमें एक प्रोफेसर और छह एसोसिएट प्रोफेसर शामिल है। फैकल्टी सदस्यों की तैनाती से नर्सिंग कॉलेजों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को पठन–पाठन और प्रशिक्षण में अब किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। इससे न केवल शिक्षण व्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि छात्र–छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ ही बेहतर प्रशिक्षण भी मिल सकेगा। राज्य सरकार, प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों के साथ ही नर्सिंग कॉलेजों में संकाय सदस्यों की कमी को दूर करने का प्रयास कर रही है, ताकि मेडिकल और नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले छात्र–छात्राओं को उच्च स्तरीय शिक्षण और प्रशिक्षण मिल सके। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने एक बयान में कहा कि प्रदेश सरकार, राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करने के लिये संकल्पित है। इस दिशा में सरकार ने संकाय सदस्यों के शत–प्रतिशत पदों को भरने का निर्णय लिया है। जिसके क्रम में इन फैकल्टी को प्रथम तैनाती दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले नर्सिंग कॉलेजों में 26 नर्सिंग ट्यूटरों को प्रथम तैनाती दी जा चुकी है।

दिशा बैठक

टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह की अध्यक्षता में आज नई टिहरी में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक हुई। बैठक में केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के संबंध में पिछली बैठक की कार्यवाही अनुपालन आख्या और वर्तमान कार्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद ने जिले के विकास में सभी को सकारात्मक सोच के साथ मिलजुल कर काम करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में संचार सेवा की समस्या को जल्द ही दूर किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता तय करते हुए विकास कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

टपक सिंचाई कार्यशाला

उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में पौड़ी में औद्यानिक फसलों में टपक सिंचाई विषय पर आज एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर पौड़ी की ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी ने कहा कि टपक सिंचाई जैसी तकनीकें पानी की बचत के साथ ही किसानों की मेहनत और लागत दोनों को कम करती हैं। एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. तेजपाल सिंह बिष्ट ने पर्वतीय राज्यों में बदलते औद्यानिक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि टपक सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकें जल संरक्षण के साथ ही उत्पादकता में भी वृद्धि करती हैं। कृषि विज्ञान केंद्र, भरसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अंशुमान सिंह ने कहा कि टपक सिंचाई प्रणाली जल उपयोग दक्षता को 70 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है। उन्होंने किसानों को तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रणाली से पौधों को आवश्यक मात्रा में जल और पोषक तत्व सीधे जड़ों तक पहुंचते हैं, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार होता है। जिला उद्यान अधिकारी ने कहा कि विभाग द्वारा किसानों को टपक सिंचाई, प्लास्टिक मल्चिंग, पौधशालाओं की स्थापना और उच्च मूल्य फसलों के प्रचार के लिए अनुदान आधारित योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

तुंगनाथ कपाट

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित तृतीय केदार भगवान श्री तुंगनाथ के कपाट आज पूर्वाह्न 11 बजकर 30 मिनट पर विधि–विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस अवसर पर पांच सौ से अधिक श्रद्धालु उपस्थित रहे और कपाट बंद होने की प्रक्रिया के साक्षी बने। कपाट बंद होने के बाद भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह डोली ने प्रथम पड़ाव चोपता के लिए भक्तों और श्रद्धालुओं के जयघोषों के बीच प्रस्थान किया। चल विग्रह डोली आठ नवंबर को शीतकालीन गद्दी स्थल श्री मर्कटेश्वर मंदिर, मक्कूमठ पहुंचेगी। जिसके बाद भगवान तुंगनाथ की शीतकालीन पूजा–अर्चना शुरू हो जाएगी। मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान तुंगनाथ के दर्शन किए। समिति के अनुसार इस वर्ष शीतकालीन यात्रा को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु भगवान तुंगनाथ के दर्शन कर सकें।

पद यात्रा

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के तहत चम्पावत जिले के लोहाघाट में पद यात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा शिशु मंदिर, लोहाघाट से प्रारम्भ होकर पंचेश्वर तिराहा स्टेशन बाजार होते हुए कोली ढेक झील तक निकाली गई। इसमें विभिन्न स्कूल कॉलेजों के छात्र, भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय लोगों, कर्मचारियों–अधिकारियों और आईटीबीपी के जवानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता, नशा मुक्त भारत और मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम संयोजक, नेहरू युवा केन्द्र के युवा अधिकारी आशीष पाल ने कहा कि पद यात्रा का उद्देश्य सरदार पटेल के आदर्शों का अनुसरण कर उसे प्रासंगिक करना है।

बहुउद्देशीय शिविर

बागेश्वर जिले के गरुड़ ब्लॉक में आज बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट और जिलाधिकारी आकांक्षा कोड़े ने संयुक्त रूप से किया। शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं से जुड़ी सेवाओं और सूचनाओं के लिए स्टॉल लगाए गए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शिविर में ग्रामीणों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही आवश्यक परामर्श दिया गया। इसके अलावा दिव्यांगजनों के पंजीकरण और प्रमाण पत्र जारी किए गए। क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र गोस्वामी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे बहुउद्देशीय शिविरों के आयोजन से आम लोगों को काफी लाभ मिलता है।

वेव्स बाजार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत स्टार्टअप एक्सेलेरेटर वेव–एक्स ने गोवा में 20 से 28 नवम्बर तक आयोजित होने वाले 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव–इफ्फी में स्टार्टअप्स को वेव्स बाजार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। मंत्रालय ने बताया कि वेव–एक्स बूथों के लिए बुकिंग शुरू कर दी गई है।